3.35 प्रतिशत हो गई। अगस्त में 2.37 प्रतिशत नीचे थी।

सस्ते में खरीद सकेंगे ब्रिटिश कार से लेकर वाइन तक

राजीव कुमार • नई दिल्ली

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री की मौजूदगी में दिवाली से पहले दोनों देशों के बीच एफटीए होने की पूरी संभावना
- भारतीय गारमेंट, लेदर आइटम से लेकर कई कृषि उत्पाद की ब्रिटेन में बिक्री बढ़ने की उम्मीद

11.41 अरब डालर का वस्तु निर्यात किया भारत ने ब्रिटेन को वित्त वर्ष 2022-23 में

अब ब्रिटिश कार से लेकर वाइन तक सस्ते में खरीद सकेंगे। इस साल दिवाली से पहले भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होने की पूरी संभावना है। इस समझौते से भारतीय गारमेंट से लेकर कई लेदर उत्पाद, कार्पेट, कार, समुद्री उत्पाद, आम, अंगूर और कई अन्य कृषि उत्पादों की बिक्री ब्रिटेन में बढ़ेगी। एफटीए के तहत दोनों देश एक-दूसरे के यहां से आने वाले सामान पर लगने वाले शुल्क को कम करेंगे या उसे पूरी तरह से समाप्त कर देंगे। गत वित्त वर्ष 2022-23 में भारत और ब्रिटेन के बीच 20 अरब डालर से अधिक का व्यापार किया गया। इस माह के आखिर में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भारत आ रहे हैं और उनके भारत प्रवास के दौरान एफटीए पर अंतिम मुहर लग सकती है।

समझौते के तहत भारत ब्रिटेन से आने वाले आटोमोबाइल और स्का[…] व्हिस्की पर शुल्क कम करने [...] लिए राजी हो गया है। अभी ब्रिटे[न] से आने वाली 1500 सीसी की का[र] पर बेसिक सीमा शुल्क 100 प्रतिश[त] है और अन्य प्रकार के सेस अ[…] शुल्क को मिलाकर कुल शुल्क 24[…] प्रतिशत का कर होता है। सूत्रों [के] मुताबिक बेसिक सीमा शुल्क को 5[…] प्रतिशत करने पर कमोबेश सहम[ति] बन गई है। वहीं 1500 सीसी से क[म] क्षमता वाली कार को ब्रिटेन से मंगा[ने] पर अभी 60 प्रतिशत सीमा शुल्क लगता है, जिसे 30 प्रतिशत करने पर सहमति बन गई है। ऐसा होने पर ब्रिटेन की जगुआर लैंड रोवर, राल्स रायस, बेंटले और आस्टन मार्टिन जैसी कारें कम कीमत पर भारत में उपलब्ध होंगी। वैसे ही ब्रिटिश स्काच व्हिस्की पर अभी 150 प्रतिशत सीमा शुल्क लगता है जिसे एफटीए के तहत 50 प्रतिशत तक किया जा सकता है। कन्फेडरेशन आफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज के महानिदेशक विनोद गिरी ने बताया कि हमें ब्रिटिश स्काच के लिए भारतीय दरवाजें खोलने पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन ब्रिटेन को भी भारतीय व्हिस्की के लिए अपने दरवाजे खोलने चाहिए। ब्रिटेन कहता है कि तीन साल में परिपक्व होने वाली व्हिस्की को ही हम ब्रिटेन में बेच सकते हैं जबकि परिपक्व होने के लिए तीन साल तक व्हिस्की को छोड़ने पर 10 प्रतिशत से अधिक व्हिस्की भाप बनकर उड़ जाती है।

ब्रिटेन में ये चीजें होंगी सस्ती

एफटीए होने से भारतीय गारमेंट, फुटवियर, कार्पेट, कार व कृषि उत्पादों को ब्रिटेन भेजने पर कम या शून्य शुल्क लगेगा, जिससे ब्रिटेन के बाजार में ये चीजें सस्ती हो जाएंगी और उनकी बिक्री बढ़ेगी। इससे इन वस्तुओं का निर्यात बढ़ेगा।

> दोनों देशों के बीच एफटीए वार्ता काफी उन्नत चरण में है। अधिकतर मुद्दों पर सहमति बन गई है या फिर उन पर वार्ता चल रही है। व्यापक असहमति वाले मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए उच्चस्तर पर काम चल रहा है। -सुनील बर्थवाल, वाणिज्य सचिव